13-01-2024

नेशनल शुगर इंस्टिट्यूट में 51वां दीक्षांत समारोह

नेशनल शुगर इंस्टिट्यूट में शुक्रवार को 51वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल प्रदान किया शुगर टेक्नोलॉजी में नाइजीरिया के छात्र ने सर्वाधिक अंक हासिल कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया संस्थान डायरेक्टर प्रोफेसर नरेंद्र मोहन अग्रवाल ने संस्थान की प्रगति रिपोर्ट के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर एक दर्जन से ज्यादा छात्र-छात्राओं को गोल्ड सिल्वर ब्रांज मेडल प्रदान किए गए। प्रोग्राम में 745 फेलोशिप स्नातकोत्तर डिप्लोमा और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर का 51वां दीक्षांत समारोह

पढ़ाई पूरी कर ली है लेकिन सीखने की प्रकिया कभी खत्म नहीं होती

भावुक हुए मेधावी, किसान के बेटे को तीन स्वर्ण पदक

समारोह में 17 पदकों और 40 नकद पुरस्कारों के साथ 745 छात्र-छात्राओं को फेलोशिप, पीजी डिप्लोमा व प्रमाणपत्र प्रदान किए

एनएसआई का दीक्षांत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) में शुक्रवार को 51 वें दीक्षांत समारोह में मेडल पाकर मेधावी भावुक हो उठे। सभी ने विक्ट्री सिंबल दिखाकर खुशी का इजहार किया। घरवालों को वीडियो कॉल कर अपने मेडल और डिग्रियां दिखाते हुए खुशी जताई। सत्र 2020-21 में शुगर टेक्नोलॉजी कोर्स के टॉपर ललित मोहन और सत्र 2021-22 के हिमांशु पांडेय को महात्मा गांधी मेमोरियल गोल्ड मेडल दिया गया। सत्र 2022-23 के सैमसन अकोरेडे एडोये दीक्षांत में नहीं पहुंचे। मेधावियों को कुल 17 पदकों व 40 नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

संस्थान में दीक्षांत समारोह का शुभारंभ शोभा यात्रा के साथ हुआ। मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, विशिष्ट अतिथि मंत्रालय के संयुक्त सचिव अश्वनी श्रीवास्तव, संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। समारोह में कुल 745 छात्र-छात्राओं को फेलोशिप, पीजी डिप्लोमा व प्रमाणपत्र के साथ पुरस्कार दिए गए।

निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने संस्थान की प्रगति रिपोर्ट पेश की। जिसमें छात्रों की उपलब्धियों के साथ नए पाठ्यक्रम शुरू करने और विदेशों संग हुए समझौते व उन्हें दिए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में बताया। समारोह में निधि राजपूत, शिवानी गौतम व सोनम प्रजापति को सम्मानित किया गया। परीक्षा नियंत्रक वीरेंद्र कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह में किसान के बेटे ने सत्र 2021-22 में शुगर टेक्नोलॉजी कोर्स के टॉपर कुशीनगर के हिमांशु पांडेय को महात्मा गांधी मेमोरियल गोल्ड मेडल के साथ कुल तीन गोल्ड मिले, दो नकद पुरस्कार दिए गए।

मुख्य अतिथि के हाथ गोल्ड मेडल से सम्मानित किए जाते हिमांशु पांडेय। अमृत विचार

- शोभा यात्रा के साथ केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने किया शुभारंभ

विदेशी छात्रों को शिक्षित कर रहा संस्थान

एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि संस्थान विदेशों के छात्रों को भी शिक्षित करने का काम कर रहा है। उनकी सुविधा के लिए कम अवधि के सर्टिफिकेट कोर्सों को चलाया जा रहा है। इंडोनेशिया, केन्या, नाइजीरिया, युगान्डा के करीब 100 छात्र नियमित व शार्ट टर्म कोर्स कर रहे हैं।

सरकार युवाओं के साथ बज रहा भारत का डंका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सरकार हर युवाओं के साथ है जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण है कि देश का युवा विदेशों में भी अपना लोहा मनवा रहा है। मोदी सरकार के कामकाज को आज पूरा विश्व मान रहा है। युवाओं के इनोवेशन और मेहनत की बदौलत देश की इकोनॉमी दुनिया में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। यह बात केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कही। उन्होंने कहा कि कभी भी अपने संस्थान और मां-बाप को भूलना नहीं चाहिए। एनएसआई) के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि यहां के पूर्व छात्र हमेशा संस्थान से जुड़े हैं, यह बड़ी उपलब्धि है। यह अब अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान बन चुका है। दुनिया में चीनी का कटोरा कहे जाने वाला क्यूबा भी अब संस्थान संग समझौता कर रहा है, यह भारत के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा, युवाओं को अपना आदर्श स्वामी विवेकानंद, भगवान राम, कृष्ण को मानना चाहिए और उनके दिखाए आदर्शों पर चलना चाहिए।

समारोह में बोलती निरंजन ज्योति।

गोल्ड मेडल से सम्मानित की गई निधि।

विशेष सम्मान

महात्मा गांधी मेमोरियल गोल्ड मेडल

- वर्ष 2020-21 बैच के ललित मोहन
- 2021-22 हिमांशु पांडेय
- 2022-23 सैमसन अकोरेडे एडोये (नाइजीरियन)

इनको मिले पुरस्कार व पदक

हिमांशु पांडेय: तीन स्वर्ण पदक

ललित मोहन : तीन स्वर्ण पदक

सैमसन : तीन स्वर्ण पदक

मेधावियों ने जाहिर की खुशी

मुझे ग्लोबल केन शुगर सर्विस सम्मान अपने विभाग मे प्रथम स्थान हासिल करने पर दिया गया है। मेडल पाने के लिए मैने दिन रात एक कर पढ़ाई की थी आज यह सपना साकार हुआ, मैं अपना यह मेडल अपने माता पिता और शिक्षकों को समर्पित करती हूं। - शिवानी गौतम

बड़ों के कहने के आधार सिर्फ मेहनत करता था, शुगर इंजीनियरिंग विभाग मे प्रथम स्थान हासिल किया और मुझे इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन की ओर से सम्मानित करने के लिए चुना गया। -आयुष भाटी

शर्करा प्रौद्योगिकी विभाग का छात्र हूं, प्रथम वर्ष मे प्रथम स्थान हासिल करने के लिए इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन की ओर से 11 हजार का नकद पुरस्कार और गोल्ड मेडल दिया गया है। - आशुतोष तिवारी

मुझे यह गोल्ड मेडल औद्योगिक अल्कोहल प्रौद्योगिकी के अंतिम वर्ष मे प्रथम स्थान हासिल करने पर दिया गया है। प्राज एक्सीलेंस अवार्ड के तहत 10 हजार नकद पुरस्कार मिला है। - अभिषेक मिश्र

किसान के बेटे को मिला महात्मा गांधी स्वर्ण पदक

एनएसआई के 51वें दीक्षांत समारोह में मेधावियों को मिले पदक व नगद पुरस्कार, पहली बार विदेशी छात्र को मिला स्वर्ण पदक

प्रतिभा

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) के 51वें दीक्षांत समारोह में पदक और नगद पुरस्कार पाकर मेधावियों के चेहरे खिल उठे। केंद्र की ओर से दिए जाने वाले महात्मा गांधी मेमोरियल स्वर्ण पदक से शुगर टेक्नोलॉजी कोर्स में सत्र 2020-21 में ललित मोहन को, सत्र 2021-22 में हिमांशु पांडेय को और सत्र 2022-23 में सैमसन अकोरेडे एडोये को सम्मानित किया गया। हिमांशु पांडेय के पिता किसान हैं। मेधावियों को कुल 17 पदक और 40 नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

शुक्रवार को संस्थान में दीक्षांत का शुभारंभ शोभायात्रा के साथ हुआ। शुभारंभ मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, विशिष्ट अतिथि मंत्रालय के संयुक्त सचिव अश्वनी श्रीवास्तव, संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। समारोह में कुल 745 छात्र-छात्राओं को फेलोशिप, पीजी डिप्लोमा और प्रमाणपत्र दिए गए। निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने संस्थान की प्रगति रिपोर्ट पेश की।

समारोह में निधि राजपूत, शिवानी गौतम व सोनम प्रजापति को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्तमान में संस्थान इंडोनेशिया आदि देशों से करीब 100 लोग नियमित व शार्ट टर्म कोर्स कर रहे हैं। संचालन अनुष्का कनोडिया ने किया। परीक्षा नियंत्रक वीरेंद्र कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर महेंद्र यादव, अनीता अग्रवाल, डॉ. सीमा परोहा रहे।

17 पदक और 40 नगद पुरस्कार दिए गए दीक्षांत में

अगले दीक्षांत में मिलेंगे तीन नए पदक : दीक्षांत में तीन नए प्रायोजित स्वर्ण पदक दिए जाने की घोषणा की गई। निदेशक ने बताया कि अगले दीक्षांत में बलरामपुर चीनी मिल्स के एमडी की मां के नाम पर पदमश्री मीनाक्षी सरावगी स्वर्ण पदक और 20 हजार नगद पुरस्कार दिया जाएगा। डालमिया भारत शुगर मिल्स की ओर से डालमिया भारत स्वर्ण पदक और 20 हजार दिए जाएंगे। ऐसे ही पूर्व छात्र डॉ. जीडी निगम की ओर से स्वर्ण और रजत पदक दिया जाएगा।

शुक्रवार को एनएसआई के दीक्षांत में केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने मेधावियों को पदक और नगद पुरस्कार से सम्मानित किया। वहीं, पदक पाकर मेधावी छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल गए।

दो छात्रों को मिली फेलोशिप

दीक्षांत में दो छात्रों को फेलोशिप दी गई। निदेशक ने बताया कि नॉन सल्फर शुगर बनाने वाले मोहित कुमार (वर्तमान में संस्थान में कार्यरत) और सुपर शुगर बनाने वाले राजेश सिंह (त्रिवेणी इंजीनियरिंग के डीजीएम) को फेलोशिप दी गई।

इनको मिले महात्मा गांधी स्वर्ण पदक

- हिमांशु पांडेय : महात्मा गांधी समेत तीन स्वर्ण पदक व 13 हजार नगद पुरस्कार
- ललित मोहन : महात्मा गांधी समेत तीन स्वर्ण पदक व 13 हजार नगद पुरस्कार
- सैमसन : महात्मा गांधी समेत तीन स्वर्ण पदक व 13 हजार नगद पुरस्कार

इनको मिले नगद पुरस्कार

- 14 हजार नगद पुरस्कार : कृष्णा पाल, अभिनव सिंह
- 11 हजार नगद पुरस्कार : प्रांजुल बाजपेई, शिखर पटेल, आशुतोष तिवारी, मानवेंद्र सिंह, आयुष भाटी
- 10 हजार नगद पुरस्कार : अभिषेक मिश्रा, शुभम गर्ग, शुभम कुमार, विवेक सिंह, आकाश चौधरी, निधि राजपूत, प्रांजुल बाजपेई, शिखर पटेल, आशुतोष तिवारी, अमन दीक्षित, शिवानी गौतम, सोनम प्रजापति, मनीष कुमार सिंह, दीपक, कौशल कुमार, अनुज कुमार यादव, अभिषेक कुल्हरि, तंजीम खान, वीरेंद्र माथुर।

टॉपर्स के बोल

एजुकेशन में सेल्फ मोटिवेशन जरूरी

महात्मा गांधी मेमोरियल स्वर्ण पदक समेत पांच पुरस्कार जीतने वाले हिमांशु पांडेय ने कहा कि कामयाबी में सेल्फ मोटिवेशन जरूरी है। दूसरों से सीख जरूरी है पर जब तक खुद का आत्मविश्वास मजबूत न होगा, कामयाबी नहीं मिलती। कुशीनगर निवासी हिमांशु डीसीएम श्रीराम शुगर में प्रोडक्शन ऑफिसर हैं। पिता गोविंद पांडेय किसान है और मां देवी पांडेय गृहिणी हैं।

औरैया की निधि को श्रीजी गोल्ड मेडल

संस्थान में शुगर टेक्नोलॉजी द्वितीय वर्ष की छात्रा निधि राजपूत को दीक्षांत में श्रीजी स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। मूलतः औरैया निवासी निधि के पिता सुबोध कुमार सरकारी शिक्षक हैं और मां स्नेहा कुमारी गृहिणी हैं। निधि शुगर की नई टेक्नोलॉजी विकसित कर उसे और अधिक पौष्टिक व स्वास्थ्यवर्धक बनाना चाहती है।

सीएनजी में मिलाएंगे सीबीजी सस्ती के साथ बढ़ेगी उपलब्धता

एनएसआई में हुआ 51वां कान्वोकेशन, 747 स्टूडेंट्स को डिग्री, स्कॉलर्स को मिले मेडल

एनएसआई कॉन्वोकेशन में पहुंचे ज्वाइंट सेक्रेटरी ने दी जानकारी

चीफ गेस्ट को बुके देकर किया सम्मानित.

17 मेडल, 40 कैश प्राइज

मक्के से भी बनेगा इथेनॉल

यूथ ने बनाया 5वीं जीडीपी

मेडल व प्राइज पाने वाले स्कॉलर

स्कॉलर्स ने इस अंदाज में मनाई खुशी.

एजुकेशन में सेल्फ मोटिवेशन जरूरी

औरैया की निधि को मिला श्रीजी गोल्ड मेडल

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का 51वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न

विभिन्न पाठ्यक्रमों के मेधावी छात्रों को 17 पदक और 40 को दिए नकद पुरस्कार

आज का कानपुर

कानपुर । राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर का 51 वां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा ग्रामीण विकास राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति और विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के संयुक्त सचिव (शर्करा) अश्विनी श्रीवास्तव उपस्थित रहे। दीक्षांत समारोह की शुरुआत स्वामी विवेकानंद को उनकी 161वीं जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित कर व दीप प्रज्वलन कर किया गया। भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने विभिन्न पुरस्कारों फैलोशिप, स्नातकोत्तर डिप्लोमा और प्रमाण पत्र प्राप्तकर्ताओं को अपना आशीर्वाद देते हुए उन्हें आगे और सीखने के लिए अपना उत्साह बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आपने संस्थान में अपनी पढ़ाई पूरी कर ली है लेकिन सीखने की प्रकिया कभी खत्म नहीं होती है।संस्थान में अपनी पढ़ाई पूरी कर ली है लेकिन सीखने की प्रकिया कभी खत्म नहीं होती है। तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य के साथ, आपको अपने अस्तित्व और विकास के लिए खुद को उसके साथ रखना होगा।उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आपको एक आत्मनिर्भर चीनी उद्योग और देश विकसित करने में प्रमुख भूमिका निभानी होगी।उन्होंने कई नए पाठ्यक्रम शुरू करने और मूलभूत सुविधाओं और सेवाओं में महत्वपूर्ण बदलाव करने के लिए संस्थान के प्रयासों की भी प्रशंसा की।मुख्य अतिथि साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि इस संस्थान को हम संस्थान नहीं बल्कि परिवार मानते हैं। 51 वर्ष का कार्यकाल बहुत बड़ा कार्यकाल होता है। यहां से शिक्षा ग्रहण करने वाले अपने संस्थान को कभी भूले ना। बहुत से छात्र ऐसे हैं जिन्होंने यहां से शिक्षा ग्रहण करने के बाद अलग-अलग संस्थानों में नौकरी कर रहे हैं या फिर अपना खुद का स्टार्टअप चला रहे हैं। ऐसे लोग भी अपने संस्थान से आज तक जुड़े हुए हैं। ऐसे छात्रों का मैं अभिनंदन करती हूं।उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि यहां के बच्चे बाहर न जाए बल्कि बाहर देश के बच्चे हमारे यहां आकर शिक्षा ग्रहण करें। अगर आज देश विकसित हो रहा है तो इसके पीछे नौजवानों का सबसे बड़ा सहयोग है। इसमें आप सभी की मेहनत है। आज हमारा देश पांचवें स्थान पर पहुंच गया है, जब आप विदेश जाते हैं और बताते हैं कि मैं भारत से हूं तो आज लोग हाथ मिलाने के लिए आगे बढ़ते हैं। आज दूसरे देश अपने देश का लोहा मान रहे हैं।मोदी के कार्यकाल में यह सब संभव हो पाया हैं। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन ने कहा कि कई चीनी उत्पादक देशों के छात्रों को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने अपनी ओर आकर्षित करने का काम किया है। उन्होंने संस्थान से उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को उद्यमी बनने का आह्वान किया, ताकि वे नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी प्रदाता बन सकें।निदेशक ने कहा कि चीनी उद्योग अब, अभिनव उत्पादों को विकसित करने के लिए बहुत सारी संभावनाएं प्रदान कर रहा है। इसके लिए छात्रों द्वारा स्टार्ट अप स्थापित किए जा सकते हैं और जिसके लिए संस्थान उन्हें तकनीकी सहायता भी प्रदान कर सकता है। एएनएसआई शर्करा प्रौद्योगिकी के अंतिम वर्ष में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले ललित मोहन, हिमांशु पांडेय, सैमसंग अकोरेडे को महात्मा गांधी मेमोरियल स्वर्ण पदक दिया गया। इसके अलावा इन लोगों को श्री सीवी सुब्बा राव एक्सीलेंस अवार्ड व आईएसजीईसी एक्सीलेंस अवार्ड भी दिया गया।इसके अलावा एएनएसआई शर्करा अभियांत्रिकी के अंतिम वर्ष के प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र अंकुर वर्मा, मुदित राठी, गर्भजीत दहिया को आईएसजीईसी एक्सीलेंस अवार्ड स्वर्ण पदक दिया गया। वहीं, औद्योगिकी किण्वन और अल्कोहल प्रौद्योगिकी के अंतिम वर्ष में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले अभिषेक मिश्रा, शुभम गर्ग और शुभम कुमार को भी इस अवार्ड से सम्मानित किया गया।

NSI convocation: Nigerian student bags gold medal

TIMES NEWS NETWORK

Kanpur: The 51st convocation of National Sugar Institute-Kanpur was held on Friday in which Union minister of state for consumer affairs, food & public distribution Sadhvi Niranjan Jyoti was the chief guest and joint secretary (sugar), Government of India, Ashwini Srivastava graced the occasion as the guest of honour.

The convocation began after paying floral tributes to Swami Vivekanand on his 161st birth anniversary.

Ashok Garg, education in-charge in his address while congratulating the passout students of the academic years 2020-21, 2021-22 and 2022-23 informed that during the convocation 745 fellowship, post graduate diploma and certificates are being conferred. Out of it, six students have been from overseas countries. A Nigerian student Samson Akore Adeoye got the prestigious Mahatma Gandhi Gold Medal for the year 2022-23 for securing first position in Sugar Technology Course while Nidhi Rajput of Sugar Technology and Shivani Gautam and Sonam Prajapati of Quality Control Course were conferred Shrijee Future Leader Award" and "Global Cane Sugar Service Award" for their commendable works.

Director, National Sugar Institute, Narendra Mohan in his address thanked the Government of India for the all-around support for developing many academic and research facilities at the institute which helped in attracting students from many sugar producing countries. He called upon the passout students to be entrepreneurs so as to become job creators rather than job seekers. Ashwini Srivastava lauded the services provided by National Sugar Institute, Kanpur in providing competent technologists and engineers who have excelled in Indian and overseas sugar industry and also for efforts made by the institute for enhancing efficiency and viability of the sugar industry.

Union minister Sadhvi Niranjan Jyoti while giving her blessings to the recipients of various awards, fellowships, post graduate diplomas and certificates advised them to continue their zeal to learn more. She said, "You have completed your studies at the institute but learning never ends and with the fast-changing technological scenario, you have to keep yourself abreast with them for survival and growth".

During the convocation besides the Mahatma Gandhi Gold Medal, the prestigious awards including Shrijee Future Leader Award, ISGEC Excellence Award, CV Subbarao Excellence Award and Praj Excellence Award were given to the meritorious students of various courses. t Various cash awards constituted by Indian Sugar Mills Association, National Federation of Cooperative Sugar Factories and Global CaneSugar Services Pvt. Ltd. were given and in all 17 medals and 40 cash awards were conferred to the meritorious students of various courses.

Students of National Sugar Institute rejoicing after receiving degrees during the convocation ceremony at the institute campus

एन एस आई में ५१ वें दीक्षांत समारोह का हुआ समापन, राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति बतौर मुख्य अतिथि रहीं मौजूद

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(संजय मौर्य)

राष्ट्रीय सरकार संस्थान कानपुर का 51 वां दीक्षांत समारोह आज आयोजित किया गया, जिसमें उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा ग्रामीण विकास राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति बतौर मुख्य अतिथि एवं भारत सरकार के संयुक्त सचिव (शर्करा) अश्विनी श्रीवास्तव बतौर विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम में उपस्थित हुए। दीक्षांत समारोह की शुरुआत स्वामी विवेकानंद को उनकी 161वीं जयंती पर पुष्पांजलि, दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के पश्चात हुई। कार्यक्रम के समापन में जानकारी देते हुए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में कई शैक्षणिक और अनुसंधान सुविधाओं को विकसित करने के लिए भारत सरकार को धन्यवाद दिया ,जिसने कई चीनी उत्पादक देश के छात्रों को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की और आकर्षित करने में मदद की है ,उन्होंने संस्थान से उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को उद्यमी बनने का आवाहन किया ,ताकि वे नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी प्रदाता बन सके।

उन्हों। उनका ऐसा कहना है कि आज राष्ट्रीय सरकार संस्थान चीनी उद्योग में करियर तलाशने वाले छात्रों की पहली पसंद है एवं पिछले तीन वर्षों में कोविद जैसी गंभीर समस्याओं के बावजूद हमने इंडोनेशिया, केन्या, नाइजीरिया ,युगांडा के लगभग 100 लोगों को नियमित पाठ्यक्रमों या विशिष्ट लघु अवधि के कार्यक्रमों द्वारा प्रशिक्षित किया है।

पढ़ाई पूरी कर ली है लेकिन सीखने की प्रकिया कभी खत्म नहीं होती

लड़कियां भी अब चीनी उद्योग में अपना करियर तलाश रहीं

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर का 51वां दीक्षांत समारोह में स्टूडेंट्स को मेडल मिले

डीटीएनएन | कानपुर

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर का 51वां दीक्षांत समारोह आज आयोजित किया गया, जिसमें उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा ग्रामीण विकास राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति और भारत सरकार के संयुक्त सचिव (शर्करा) अश्विनी श्रीवास्तव क्रमशः मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। दीक्षांत समारोह की शुरुआत स्वामी विवेकानंद को उनकी 161वीं जयंती पर पुष्पांजलि, दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के पश्चात हुई।

अशोक गर्ग ने कहा कि लड़कियां भी अब चीनी उद्योग में अपना करियर तलाश रही हैं और यह खुशी की बात है कि शुगर टेक्नोलॉजी की सुश्री निधि राजपूत और क्वालिटी कंट्रोल कोर्स की सुश्री शिवानी गौतम और सोनम प्रजापति को उनके सराहनीय प्रयासों के लिए क्रमशः "बीजी फ्यूचर लीडर अवार्ड" और "ग्लोबल केन शुगर सर्विस अवार्ड" से सम्मानित किया जा रहा है।

अपने स्वागत भाषण में, नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने संस्थान में कई शैक्षिक और अनुसंधान सुविधाओं को विकसित करने के लिए भारत सरकार को धन्यवाद दिया, जिसने कई चीनी उत्पादक देशों के छात्रों को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की ओर आकर्षित करने में मदद की। उन्होंने संस्थान से उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को उद्यमी बनने का आह्वान किया ताकि वे नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी प्रदाता बन सकें। अश्विनी श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव (शर्करा), भारत सरकार ने चीनी उद्योग को तकनीकी मानव प्रदान करने और चीनी उद्योग की दक्षता और व्यवहार्यता बढ़ाने के लिए किए गए प्रयासों के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर द्वारा प्रदान की गई सेवाओं की सराहना की। उन्होंने भारतीय और विदेशी चीनी उद्योग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सक्षम प्रौद्योगिकीविद और इंजीनियर, प्रदान करने के लिए भी संस्थान की सराहना की। उन्होंने कहा कि मंत्रालय सुविधाओं को और बढ़ाने के लिए सभी आवश्यक सहायता उपलब्ध कराएगा ताकिउन्हें विश्वस्तरीय बनाया जा सके।

भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने विभिन्न पुरस्कारों, फैलोशिप, स्नातकोत्तर डिप्लोमा और प्रमाण पत्र प्राप्तकर्ताओं को अपना आशीर्वाद देते हुए उन्हें आगे और सीखने के लिए अपना उत्साह बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आपने संस्थान में अपनी पढ़ाई पूरी कर ली है लेकिन सीखने की प्रक्रिया कभी खत्म नहीं होती है और तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य के साथ, आपको अपने अस्तित्व और विकास के लिए खुद को उसके साथ रखना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आपको एक आत्मनिर्भर चीनी उद्योग और देश विकसित करने में प्रमुख भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कई नए पाठ्यक्रम शुरू करने और मूलभूत सुविधाओं और सेवाओं में महत्वपूर्ण बदलाव करने के लिए संस्थान के प्रयासों की भी प्रशंसा की, जिसके कारण आज यह वैश्विक मान्यता का शर्करा संस्थान बन गया है। दीक्षांत समारोह के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों के मेधावी छात्रों को महात्मा गांधी स्वर्ण पदक, अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कार जैसे बीजी फ्यूचर लीडर पुरस्कार, आईएसजीईसी उत्कृष्टता पुरस्कार, सी वी सुब्बाराव उत्कृष्टता पुरस्कार और प्राज उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अलावा इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन, नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज और ग्लोबल केन शुगर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा गठित विभिन्न नकद पुरस्कार दिए गए। विभिन्न पाठ्यक्रमों के मेधावी छात्रों को कुल मिलाकर 17 पदक और 40 नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। दीक्षांत समारोह के दौरान मेसर्स बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड और मेसर्स डालमिया भारत शुगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने चीनी प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के मेधावी छात्रों को क्रमशः "श्रीमती मीनाक्षी सरावगी स्वर्ण पदक और नकद पुरस्कार" और "डीबीएल भारत स्वर्ण पदक और नकद पुरस्कार" देने की घोषणा की। पूर्व छात्र डॉ. जीडी निगम ने भौतिक रसायन विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को स्वर्ण और रजत पदक देने की भी घोषणा की।

वीरेंद्र कुमार, परीक्षा नियंत्रक ने मंत्री और संयुक्त सचिव (शर्करा) को उनकी गरिमामय उपस्थिति के लिए कृतज्ञता व्यक्त की और इसे सफल बनाने के लिए इसमें भाग लेने वाले व अन्य सभी लोगों को धन्यवाद दिया।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का दीक्षांत समारोह

'पढ़ाई हुई पूरी लेकिन सीखना रखें जारी'

केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने समारोह को किया संबोधित

17 मेधावियों को मिले पदक, 40 को नकद पुरस्कार

सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के 51वें दीक्षांत समारोह में 17 मेधावियों को पदक व 40 को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने यहां दीक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से कहा कि आपकी पढ़ाई तो पूरी हो गयी लेकिन आप सीखना हमेशा जारी रखें। देश में आत्मनिर्भर चीनी उद्योग के लिये उन्हें प्रयास करने होंगे।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के दीक्षांत समारोह में केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति के साथ उपाधि पाने वाले छात्र व शिक्षकगण। फोटो : एसएनबी

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का 51वां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा ग्रामीण विकास राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति और विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के संयुक्त सचिव (शर्करा) अश्वनी श्रीवास्तव मौजूद थे। दीक्षांत समारोह का शुभारम्भ स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने समारोह में फैलोशिप, स्नातकोत्तर डिप्लोमा व प्रमाणपत्र पाने वालों को आगे और सीखने के लिए अपना उत्साह बनाए रखने को कहा। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि उन्होंने संस्थान में अपनी पढ़ाई पूरी कर ली है, लेकिन सीखने की प्रक्रिया कभी खत्म नहीं होती है। तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य के साथ, युवाओं को अपने अस्तित्व और विकास के लिए खुद को उसके साथ रखना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आपको एक आत्मनिर्भर चीनी उद्योग बनाने और देश विकसित करने में प्रमुख भूमिका निभानी होगी। साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि शर्करा संस्थान से शिक्षा ग्रहण करने वाले अपने संस्थान को कभी भूले नहीं। बहुत से छात्र यहां से शिक्षा ग्रहण करने के बाद अलग-अलग संस्थानों में नौकरी कर रहे हैं या फिर अपना खुद का स्टार्टअप चला रहे हैं। ऐसे लोग भी अपने संस्थान से आज तक जुड़े हुए हैं। ऐसे छात्रों का मैं अभिनंदन करती हूं। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि यहां के बच्चे बाहर न जाएं बल्कि बाहरी देशों के बच्चे हमारे यहां आकर शिक्षा ग्रहण करें। अगर आज देश विकसित हो रहा है तो इसके पीछे नौजवानों की अहम भूमिका है। इसी के चलते आज भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में 5वें स्थान पर पहुंच गयी है।

संस्थान को विश्वस्तरीय बनाएंगे : विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के संयुक्त सचिव (शर्करा) अश्वनी श्रीवास्तव ने कहा कि भारत सरकार ने चीनी उद्योग को तकनीकी मानव प्रदान करने और चीनी उद्योग की दक्षता और व्यवहार्यता बढ़ाने के लिये राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के प्रयासों को सराहा है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय सुविधाओं को और बढ़ाने के लिये सभी आवश्यक सहायता उपलब्ध करायेगा, ताकि उन्हें विश्व स्तरीय बनाया जा सके।

नौकरी करने नहीं, देने वाले बनें : एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहा कि कई चीनी उत्पादक देशों के छात्रों को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने शिक्षण व प्रशिक्षण दिया है। उन्होंने संस्थान से उत्तीर्ण होने वाले छात्रों से कहा कि वह नौकरी करने वाले नहीं, नौकरी देने वाले बनें। उन्होंने छात्रों से उद्यमी बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चीनी उद्योग अब अभिनव उत्पादों को विकसित करने के लिए बहुत सारी संभावनाएं प्रदान कर रहा है। इसके लिए छात्रों द्वारा स्टार्टअप स्थापित किए जा सकते हैं, जिसके लिए संस्थान उन्हें तकनीकी सहायता भी प्रदान कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह उल्लेखनीय है कि क्यूबा और इंडोनेशिया जैसे चीनी उत्पादक देश जो कभी तकनीकी और अन्य रूप से मजबूत थे और विश्व पटल पर चीनी उद्योग का नेतृत्व करते थे, अब सहयोग के लिए संस्थान की ओर देख रहे हैं। पिछले तीन वर्षों में कोविड जैसी गम्भीर समस्याओं के बावजूद हमने इंडोनेशिया, केन्या, नाइजीरिया, युगाण्डा आदि देशों के लगभग 100 लोगों को नियमित पाठ्यक्रमों या विशिष्ट लघु अवधि के कार्यक्रमों द्वारा प्रशिक्षित किया।

किसान के बेटे को मिला महात्मा गांधी मेमोरियल स्वर्ण पदक

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के 51वें दीक्षांत समारोह में मेधावियों को दिए गए 17 पदक

दीक्षांत समारोह में छात्र छात्राओं के साथ में ग्रामीण विकास राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, निदेशक नरेंद्र मोहन।

किसको मिले कितने पदक

दिव्यांशु पांडेय	तीन स्वर्ण पदक व 13 हजार रुपये नकद पुरस्कार
ललित मौर्य	तीन स्वर्ण पदक व 13 हजार रुपये
सैमसन अकोरेडे एडोये	तीन स्वर्ण पदक व 13 हजार रुपये

एनएसआई के दीक्षांत समारोह में पदक मिलने के बाद खुशी जाहिर करते छात्र।

ट्रेनें लेट, दीक्षांत में नहीं पहुंच सके कई छात्र

सपनों की उड़ान

पिता का सपना हुआ पूरा

निधि को मिला श्रीजी गोल्ड मेडल

इनको भी मिला नकद पुरस्कार

संस्थान की तरक्की में पूर्व छात्रों की भूमिका अहम

केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति बोलीं, युवाओं के बिना सरकार का विजन नहीं हो सकता पूरा

कम बारिश से घट गया गन्ना उत्पादन

---

the pioneer

LUCKNOW | SATURDAY | JANUARY 13, 2024

51st convocation of NSI organised

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

The 51st convocation of National Sugar Institute (NSI) was held on Friday where Union Minister of State for Consumer Affairs (CA), Food and Public Distribution (F&PD) and Rural Development, Sadhvi Niranjan Jyoti, and Joint Secretary (Sugar), Government of India, Ashwini Srivastava, were present as the chief guest and distinguished guest respectively. The convocation proceedings were started after paying floral tributes to Swami Vivekananda on his 161st birth anniversary, lighting of lamp and Saraswati Vandana. Union Minister of State, Ministry of Consumer Affairs, Sadhvi Niranjan Jyoti, giving her blessings to the recipients of various awards, fellowships, post graduate diplomas and certificates advised them to continue their zeal to learn more. "You have completed your studies at the institute but learning never ends and with the fast changing technological scenario, you have to keep yourself abreast with them for survival and growth. You have to play a dominant role in developing a self-sustainable sugar industry and country", she said addressing the students. She also praised the efforts of the institute for introducing many new courses and carrying out significant change in infrastructural facilities and services due to which today it has become a sugar institute of global recognition. Joint Secretary (Sugar), Government of India, Ashwini Srivastava, lauded the services provided by NSI in providing competent technologists and engineers who have excelled in Indian and overseas sugar industry and also for efforts made by the institute for enhancing efficiency and viability of the sugar industry. The ministry shall provide all required assistance to the institute to further enhance the facilities so as to make them world class, he said.

In his welcome address, NSI Director Narendra Mohan while thanking the Government of India for all-around support for developing many academic and research facilities in the institute which helped in attracting students from many sugar producing countries, called upon the passed out students to be entrepreneurs so as to become job creators rather than job seekers. Today, institute has become the first choice for the overseas students who wish to take up their careers with sugar industry. During the last few years, NSI imparted teaching and training to about 100 personnel from Sri Lanka, Kenya, Bhutan, Indonesia, Uganda, Pakistan, Nigeria and Yemen etc. He said the sugar industry now offers plethora of possibilities for developing innovative products and for which start-ups can be set up and the institute can also provide technical assistance. It is creditable that the sugar producing countries like Cuba and Indonesia which used to lead the global sugar scenario earlier in respect of production and technology are now looking at the institute for support, he said.

In his address education in-charge Ashok Garg while congratulating the passed out students of 2020-21, 2021-22 and 2022-23 informed that during the convocation 745 fellowship, post graduate diploma and certificates were being conferred. Of these six students are from overseas country with one of the Nigerian student Samson Akore Adeoye getting the prestigious Mahatma Gandhi Gold Medal for the year 2022-23 for securing the first position in Sugar Technology Course. Girls were also now looking for their careers in the sugar industry and it is heartening that Nidhi Rajput of Sugar Technology and Shivani Gautam and Sonam Prajapati of Quality Control Course were being conferred the "Shrijee Future Leader Award" and "Global Cane Sugar Service Award" for their commendable efforts.

During the convocation besides the Mahatma Gandhi Gold Medal, prestigious awards viz. Shrijee Future Leader Award, ISGEC Excellence Award, CV Subbarao Excellence Award and Praj Excellence Award were given to the meritorious students of various courses. In addition various cash awards constituted by Indian Sugar Mills Association, National Federation of Cooperative Sugar Factories and Global Cane Sugar Services Pvt Ltd were given and in all 17 medals and 40 cash awards were conferred on meritorious students of various courses. During the convocation M/s Balrampur Chini Mills Ltd and M/s Dalmia Bharat Sugar Industries Ltd announced giving 'Padmashri Meenakshi Saroagi Gold Medal & Cash Award' and 'DCM Bharat Gold Medal & Cash Award' respectively to the meritorious students of sugar technology and engineering courses. An alumnus, Dr GD Nigam, also announced giving gold and silver medals to the students securing highest marks in physical chemistry subject. Controller of Examination Virendra Kumar expressed gratitude to the union minister and joint secretary (Sugar) for their gracious presence and thanked all others who participated in the convocation for making it a success.

शर्करा संस्थान दीक्षांत समारोह मे छात्र छात्राओं पर मेडल और पुरुस्कार की बौछार

नगराज दर्पण समाचार

कानपुर । राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का 51वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न हुआ । मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, संयुक्त सचिव अश्विनी श्रीवास्तव विशिष्टि अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। दीक्षांत समरोह की शुरूआत स्वामी विवेकानंद को उनकी 161वी जयंती पर पुष्पाजंलि, दीपक प्रज्वलन कर स्वरस्वती वंदना के साथ की गयी। दीक्षांत समरोह के दौरान विभिन्न पाठयक्रमों के मेधावी छात्रों को महात्मा गांधी स्वर्ण पदक, अन्य प्रतिष्ठत पुरस्कार जैसे श्रीजी फ्यूचर लीडर पुरस्कार, आईएसजीईसी उत्कृष्ठ पुरस्कार आदि पुरस्कारो को प्रदान किया गया। इसके साथ ही इंडियन शुगर मिल्स एसो० , नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीय और ग्लोबल केन शुगर सर्विसेज प्राइवेट लि० द्वारा गठित विभिन्न नकद पुरस्कार प्रदान किए गये।

दीक्षांत समारोह में भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाध और सर्वजनिक वितरण तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने विभिन्न पुरस्कारों, फैलोशिप, सनतकोतर डिपलोमा तथा प्रमाण पत्र प्राप्तकताओं को आशीर्वाद देते हुएउन्हे आगे और सीखने के लिए अपना उत्साह बनाए रखने की सलाह दी। उन्होने कहा कि आपने संस्थान में अपनी पटाई पूरी कर ली है लेकिन सीखने की प्रक्रिया कभी खत्म नही होती है और तेजी से बदलते तकनीकी परदृश्य के साथ आपकों अपने अस्तित्व तथा विकास के लिए खुद को उसके साथ रखना होगा। कहा कि आपकों एक आत्मनिर्भर चीनी उधोग और देश विकसित करने में प्रमुख भूमिका निभानी होगी। उन्होने कई नए पाठक्रम शुरू करने और मूलभूत सुविधाओं और सेवाओं में महत्वपूर्ण बदलाव करने के लिए संस्थान के प्रयासों की भी प्रशंसा की, जिसके कारण आज यह वैश्विक मान्यता का शर्करा संस्थान बना है। संयुक्त सचिव ने चीनी उधोग को तकनीकी मानव प्रदान करने और चीनी उधोग की दक्षता और व्यवहार्यता बढाने के लिएकिए गए प्रयासों के लिए शर्करा संस्थान द्वारा प्रदान की गई सेवाओं की सराहना की। उन्होने भारतीय और विदेशी चीनी उधोग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सक्षम प्रौधोगिकीविद और इंजीनियर, प्रदान करने के लिए भी संस्थान की सराहना की तथा कहा कि मंत्रालय सुविधाओं को और बढाने के लिए सभी आवश्यक सहायता उपलब्ध करायेगा। इससे पूर्व स्वागत भाषण में संस्थान के निदेशक नरेन्द्र मोहन ने कानपुर संस्थान में कई शैक्षिणिक औ अनुसंधान सुविधाओं को विकसित करने के लिए भारत सरकार को धन्यवाद दिया तथा कहा कि कई चीनी उत्पादक देशों के छात्रों को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की ओर आकर्शित करने में मदद की। उन्होने संस्थान से उत्तीर्णहोने वाले छात्रों को उधमी बनने का आवाहन किया ताकि वह नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी प्रदाता बन सके। उन्होने कहा चीनी उधोग अब अभिनव उत्पादों को विकसित करने के लिए बहुत सारी संभावनाएं प्रदान कर रहा है, जिसके लिए छात्रों द्वारा स्टार्टअप स्थापित किए जा सकते है ।

National Sugar Institute Kanpur concludes the 51st Convocation Ceremony

51 st Convocation of National Sugar Institute, Kanpur was graced by Sadhvi Niranjan Jyoti, Minister of State, Ministry of Consumer Affairs, Food & Public Distribution & Rural Development, and Ashwini Srivastava, Joint Secretary (Sugar), Govt. of India were present as Chief Guest and Distinguished Guest respectively. During the convocation 745 Fellowship, Post Graduate Diploma and Certificates are being conferred. Out of it, six students have been from overseas country with one of the Nigerian student, Samson Akore Adeoye getting the prestigious Mahatma Gandhi Gold Medal for the year 2022-23 for securing first position in Sugar Technology Course. Sadhvi Niranjan Jyoti, praised the efforts of the institute for starting many new courses and carrying out significant change in infrastructural facilities and services due to which today it has become a sugar institute of global recognition. During the convocation besides, Mahatma Gandhi Gold Medal, prestigious awards viz. Shrijee Future Leader Award, ISGEC Excellence Award, C V Subbarao Excellence Award and Praj Excellence Award were given to the meritorious students of various courses.

आज

महानगर

कानपुर

13 जनवरी 2024 4

युवाओं के इनोवेशन से विकसित होगा देश

❑ एनएसआई का दीक्षान्त : मेधावियों को मिले मेडल, समारोह में 17 पदक, 40 पुरस्कार व सार्टीफिकेट बांटे गये

मेधावियों के साथ मंत्री राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, संयुक्त सचिव (शर्करा) अश्विनी श्रीवास्तव, निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन व अन्य।

कानपुर, 12 जनवरी। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) के 51वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा ग्रामीण विकास राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कहाकि सरकार का विजन और युवाओं की मेहनत देश को कामयाब बना रही है। युवाओं के इनोवेशन की बदौलत देश की इकोनॉमी दुनिया में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। आजादी के शताब्दी वर्ष में देश विकसित होने पर युवा महत्वपूर्ण रोल अदा करेंगे। उन्होंने छात्रों को नसीहत दी कि कभी संस्थान और मां-बाप को भूलना नहीं चाहिए। उन्होंने कहाकि अब ये अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान बन चुका है, क्योंकि यहां देश के कोने-कोने से नहीं बल्कि विदेशों के छात्र भी नियमित व शार्टटर्म कोर्स की पढ़ाई कर रहे हैं। दुनिया में चीनी का कटोरा कहे जाने वाला क्यूबा भी अब संस्थान संग समझौता कर रहा है, यह भारत के लिए बड़ी उपलब्धि है। युवा जिस भी देश में जाएं, अपने संस्थान व भारत का वैभव बढ़ाएं। युवाओं को अपना आदर्श स्वामी विवेकानंद, भगवान राम, कृष्ण को मानकर उनके बताये मार्गों पर चलना चाहिए। दीक्षान्त समारोह में पदक व नगद पुरस्कार पाकर मेधावियों के चेहरे खिल उठे। महात्मा गांधी मेमोरियल स्वर्ण पदक से शुगर टेक्नोलॉजी कोर्स में सत्र 2020-21 में ललित मोहन को, सत्र 2021-22 में हिमांशु पांडेय को और सत्र 2022-23 में सैमसन अकोरेंडे एडोये को सम्मानित किया गया। हिमांशु पांडेय के पिता किसान है। इसके अलावा मेधावियों को कुल 17 पदक व 40 नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। शुक्रवार को एनएसआई के सभागार में दीक्षांत शोभा यात्रा पहुंची इसके बाद समारोह की मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, विशिष्ट अतिथि मंत्रालय के संयुक्त सचिव अश्वनी श्रीवास्तव, संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने दीप प्रज्वलित कर दीक्षान्त का शुभारंभ किया। मंत्री व अतिथियों ने मेधावियों को पदक व नगद पुरस्कार से सम्मानित किया। समारोह में कुल 745 छात्र-छात्राओं को फेलोशिप, पीजी डिप्लोमा व प्रमाणपत्र के साथ पुरस्कार दिए गए। एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने संस्थान की प्रगति रिपोर्ट पेश करते हुए कहाकि छात्रों की उपलब्धियों के साथ नए पाठ्यक्रम शुरू करने और विदेशी संस्थानों से एमओयू व प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। चीनी उद्योग में छात्रों की मांग बढ़ रही है। समारोह में निधि राजपूत, शिवानी गौतम व सोनम प्रजापति को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्तमान में संस्थान इंडोनेशिया, केन्या, नाइजीरिया, युगांडा आदि देशों से करीब 100 लोग नियमित व शार्टटर्म कोर्स कर रहे हैं। इस दौरान परीक्षा नियंत्रक वीरेंद्र कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

महात्मा गांधी मेमोरियल स्वर्ण पदक

बैच	छात्र
2020-21	ललित मोहन
2021-22	हिमांशु पांडेय
2022-23	सैमसन अकोरेंडे एडोये

मेधावियों को मिले पुरस्कार व पदक

हिमांशु पांडेय	- तीन स्वर्ण पदक व 13 हजार रुपये नगद पुरस्कार
ललित मोहन	- तीन स्वर्ण पदक व 13 हजार रुपये
सैमसन	- तीन स्वर्ण पदक व 13 हजार रुपये

इनको मिले नकद पुरस्कार

14 हजार रुपये नगद पुरस्कार -कृष्णा पाल, अभिनव सिंह

11 हजार रुपये नगद पुरस्कार - प्रांजुल बाजपेई, शिखर पटेल, आशुतोष तिवारी, मानवेंद्र सिंह, आयुष भाटी

10 हजार रुपये नगद पुरस्कार - अभिषेक मिश्रा, शुभम गर्ग, शुभम कुमार, विवेक सिंह, आकाश चौधरी, निधि राजपूत, प्रांजुल बाजपेई, शिखर पटेल, आशुतोष तिवारी, अमन दीक्षित, शिवानी गौतम, सोनम प्रजापति, मनीष कुमार सिंह, दीपक, कौशल कुमार, अनुज कुमार यादव, अभिषेक कुलहरि, तंजीम खान, वीरेंद्र माथुर

कर्नाटक व महाराष्ट्र में कम वर्षा से चीनी उत्पादन घटा

❑ मक्का से इथेनाल बनाकर उत्पादन पर जोर, 5 फीसदी सीबीजी ब्लेंडिंग की तैयारी

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 12 जनवरी। एनएसआई के 51वें दीक्षान्त समारोह में शामिल होने आये भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव (शर्करा) अश्विनी श्रीवास्तव ने कहा कि देश में 303 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) चीनी सुरक्षित है। देश में इस साल 320 लाख मीट्रिक टन चीनी का उत्पादन हुआ है, जो पिछले दो वर्षों की तुलना में काफी कम है। इससे पहले 358 लाख मीट्रिक टन चीनी उत्पादन हुआ था। उन्होंने बताया कि कर्नाटक व महाराष्ट्र में कम बारिश से गन्ना व चीनी उत्पादन कम हुआ है। देश में 280 लाख मीट्रिक टन चीनी की खपत है। चीनी की दिक्कत न हो, इस कारण सिर्फ 17 लाख मीट्रिक टन चीनी के शीरे से ही इथेनॉल बनाने की मंजूरी दी गई है। बाकी कमी मक्का से इथेनॉल बनाकर पूरी की जाएगी। उन्होंने कहा कि पेट्रोल में 12 फीसदी इथेनॉल मिलाया जा रहा है। 2026 में यह लक्ष्य 20 फीसदी का पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने संस्थान में हुई रिसर्च विटामिन-ए युक्त चीनी, लो-जीआई चीनी, जैगरी की काफी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पेट्रोलियम मंत्रालय जल्द सीएनजी में पांच फीसदी सीबीजी (कम्प्रेस्ड बायो गैस) ब्लेंडिंग की तैयारी कर रहा है। चीनी मिलें प्रेसमड से सीबीजी तैयार कर फायदा उठा सकती हैं। क्योंकि मिलों में प्रेसमड कचरा है, जो 20 पैसे प्रति किलो बिकता है। सिर्फ चीनी मिलें एक साल में चार लाख टन सीबीजी तैयार कर सकती हैं।

एजुकेशन में सेल्फ मोटिवेशन जरूरी

कानपुर। एजुकेशन में सेल्फ मोटिवेशन बहुत जरूरी है, एक ऐसी चीज है जो आपको सक्सेस की ओर ले जाती है. एनएसआई में शुगर टेक्नोलॉजी 2021-22 की टॉपर हिमांशु पांडेय को महात्मा गांधी गोल्ड मेडल समेत मोदी सुब्बाराव समेत दो स्पॉन्सर्ड गोल्ड मेडल भी मिले है. यह इस समय डीसीएम श्रीराम शुगर लिमिटेड में प्रोडक्शन ऑफिसर की पोस्ट पर काम कर रहे है. इनके पिता गोविंद पांडेय किसान और मां देवी पांडेय हाउस वाइफ है. यह मूल रूप से कुशीनगर के रहने वाले है.

औरैया की निधि को मिला श्रीजी गोल्ड मेडल

कानपुर। एनएसआई के दीक्षान्त समारोह में शुगर टेक्नोलॉजी सेकेंड ईयर की स्टूडेंट निधि राजपूत को श्रीजी गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया। मेधावी ने बताया कि है शुगर की नई टेक्नोलॉजी डेवलप करने पर काम कर रही हैं। पिता सुबोध कुमार सरकारी स्कूल में शिक्षक हैं। मां स्नेहा कुमारी गृहणी है। यह मूल रूप से औरैया की रहने वाली हैं। मेधावी ने एचबीटीयू से बीटेक (केमिकल) किया है.

शुगर इंजीनियरिंग में भी बेटियों ने बढ़ाया दबदबा

एनएसआइ में दीक्षा समारोह

जासं, कानपुर : शुगर इंजीनियरिंग में भी बेटियों का दबदबा बढ़ने लगा है। गुणवत्ता नियंत्रण पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान पानी वाली शिवानी गौतम के साथ दो अन्य छात्राओं सोनम प्रजापति, निधि राजपूत को भी 10-10 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया है। शिवानी इन दिनों डीसीएम श्रीराम बायोइनकेम हरियावा हरदोई में नौकरी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि चीनी मिलों में कामकाज का माहौल बदला है।

दीक्षा समारोह में उपाधि व पदक मिलने के बाद खुशी मनाते छात्र • जागरण

इन्हें मिला महात्मा गांधी मेमोरियल स्वर्ण पदक

बैच	छात्र
2020-21	ललित मोहन
2021-22	हिमांशु पांडेय
2022-23	सैमसन अकोरे एडियोय

नोट : तीनों को तीन स्वर्ण पदक व 13 हजार रुपये का नकद पुरस्कार मिला।

इनको मिला नकद पुरस्कार

14 हजार रुपये- कृष्ण पाल, अभिनव सिंह

11 हजार रुपये - प्रांजुल बाजपेई, शिखर पटेल, आशुतोष तिवारी, मानवेंद्र सिंह, आयुष भाटी

10 हजार रुपये - अभिषेक मिश्रा, शुभम गर्ग, शुभम कुमार, विवेक सिंह, आकाश चौधरी, निधि राजपूत, प्रांजुल बाजपेई, शिखर पटेल, आशुतोष तिवारी, अमन दीक्षित, शिवानी गौतम, सोनम प्रजापति, मनीष सिंह, दीपक, कौशल कुमार, अनुज कुमार यादव; अभिषेक कुलहरि, तंजीम खान, वीरेंद्र माथुर।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआइ) के 51 वें दीक्षा समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, विशिष्ट अतिथि खाद्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव अश्वनी श्रीवास्तव, संस्थान निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन ने दीप जलाकर किया। अतिथियों ने मेधावियों को पदक व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। 745 छात्र-छात्राओं को फेलोशिप, पीजी डिप्लोमा व प्रमाणपत्र के साथ पुरस्कार दिए गए। निदेशक ने बताया कि वर्तमान में संस्थान इंडोनेशिया, केन्या, नाइजीरिया, युगांडा देशों से करीब 100 लोग नियमित व शार्ट टर्म कोर्स कर रहे हैं। परीक्षा नियंत्रक वीरेंद्र कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

बीटेक के बाद शुगर इंजीनियरिंग डिप्लोमा ने दिलाई नौकरी : बेनाझाबर निवासी शिवानी गौतम दीक्षा समारोह में अपनी चाची के साथ सम्मान लेने पहुंची थीं। उन्होंने बताया कि उन्होंने बीएसएसडी कालेज से बीएससी की पढ़ाई की है। पिता के कैंसर पीड़ित होने से चुनौतियां अधिक रहीं लेकिन अब नौकरी मिल गई है। एनएसआइ शुगर इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष की छात्रा औरैया निवासी निधि राजपूत को भी 10 हजार रुपये का पुरस्कार शैक्षणिक व पाठ्येत्तर गतिविधियों के लिए मिला। निधि ने एचबीटीयू से केमिकल इंजीनियरिंग में बीटेक किया है। उन्होंने बताया कि अब शुगर इंडस्ट्री की विशेषज्ञता के साथ करियर की शुरुआत करेंगे। तीन गोल्ड मेडल और 13 हजार रुपये का नकद पुरस्कार पाने वाले हिमांशु पांडेय ने बताया कि उनके पिता गोविंद पांडेय किसान हैं। कुशीनगर में घर है। पिता का सपना इंजीनियर बनाने का था। मैंने बीएससी करने के बाद एनएसआइ में प्रवेश लिया और अब डीसीएम श्रीराम शुगर यूनिट अजवापुर लखीमपुर खीरी में छह लाख के सालाना पैकेज पर नौकरी कर रहा हूं। इसी चीनी मिल में लखीमपुर खीरी के शिखर पटेल को भी इंजीनियर की नौकरी मिली है। उन्होंने बताया कि गाजियाबाद के इंद्रप्रस्थ कालेज से बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग करने के बाद भी बेरोजगार था। एनएसआइ में प्रवेश लिया और पाठ्यक्रम पूरा होते ही अपने ही जिले में इंजीनियर बन गया।

तीन नए पदकों की हुई घोषणा : निदेशक ने अगले सत्र से तीन नए प्रायोजित स्वर्ण पदक देने की भी घोषणा की। बलरामपुर चीनी मिल्स के एमडी की मां के नाम पर पद्मश्री मीनाक्षी सरावगी गोल्ड मेडल और 20 हजार नकद पुरस्कार और डालमिया भारत शुगर मिल्स की ओर से डालमिया भारत गोल्ड मेडल साथ में 20 हजार नकद, पूर्व छात्र डा. जीडी निगम की ओर से गोल्ड और सिल्वर मेडल दिया जाएगा।

कार्याल

Digital News

- कानपुर के एनएसआई में दीक्षांत समारोह (NSI convocation ceremony) में केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति आज शामिल हुई।
- एनएसआई में 51वें दीक्षांत समारोह का आयोजन।
- एनएसआई के 51वें दीक्षांत समारोह में मेडल पाकर पाकर गदगद मेधा, किसान के बेटे ने सबसे ज्यादा पुरस्कार जीतकर संस्थान का मान बढ़ाया।
- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का 51 वां दीक्षांत समारोह हुआ संपन्न।
- NSI Kanpur Celebrates 51st Convocation, Meritorious Students Felicitated with Medals.